

# रहीम के दोहे कक्षा - नवी

विषय – हिंदी  
पाठ : ६  
पाठ का नाम : रहीम के दोहे  
PPT-1

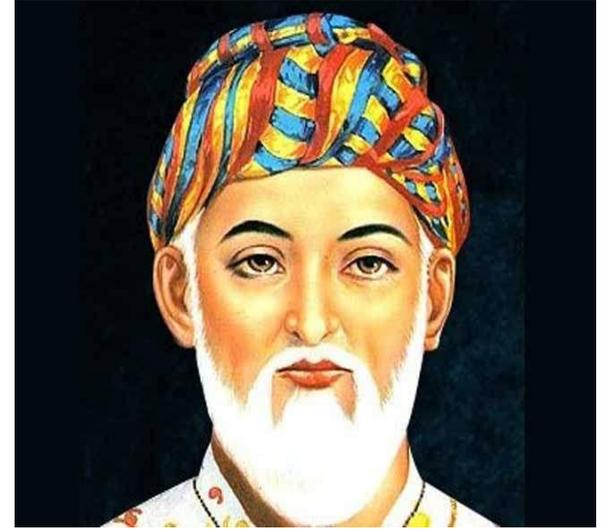
---

**CHANGING YOUR TOMORROW**

---

## कवि परिचय

रहीम का पूरा नाम अब्दुल रहीम (अब्दुर्रहीम) खानखाना था। आपका जन्म 17 दिसम्बर 1556 को लाहौर (अब पाकिस्तान) में हुआ। रहीम के पिता का नाम बैरम खान तथा माता का नाम सुल्ताना बेगम था, जो एक कवियित्री थी। उनके पिता बैरम खाँ मुगल बादशाह अकबर के संरक्षक थे। कहा जाता है कि रहीम का नामकरण अकबर ने ही किया था।



अब्दुल रहीम खान-ए-खानाँ  
१५५६ - १६२७

## पाठ प्रवेश

प्रस्तुत पाठ में रहीम के नीतिपरक दोहे दिए गए हैं। यहाँ दिया गया हर एक दोहा हमारे जीवन की किसी न किसी स्थिति से जुड़ा हुआ है। ये दोहे जहाँ एक ओर इन्हें पढ़ने वालों को औरों के साथ कैसा बरताव करना चाहिए, कैसा व्यवहार करना चाहिए, इसकी शिक्षा देते हैं, वहीं मानव मात्र को करणीय अर्थात् करने योग्य और अकरणीय अर्थात् न करने योग्य आचरण या व्यवहार की भी नसीहत यानि सीख देते हैं। इन दोहों को एक बार पढ़ लेने के बाद भूल पाना संभव नहीं है और हमारे जीवन की विभिन्न स्थितियों का सामना होते ही इनका किसी को भी याद आना लाज़िमी है, जिनका इनमें चित्रण है।

### संबंधित प्रश्न –

१. रहीम के दोहे कैसे दोहे हैं?
२. रहीम के दोहे हमें क्या सीख देते हैं?
३. दोहे हमें क्या बताते हैं?

### सामान्य उद्देश्य

- 1 - विद्यार्थियों को हिन्दी विषय के प्रति रुचि जाग्रत करना ।
- 2 - विद्यार्थियों में काव्य पाठ करने की प्रेरणा देना ।
- 3- विद्यार्थियों को कविता लिखने की प्रेरणा देना ।

### विशिष्ट उद्देश्य

- 1- विद्यार्थियों को पढ़ाई जाने वाली कविता का परिचय देना ।
- 2- विद्यार्थियों को कविता का सार समझाना ।
- 3- विद्यार्थियों को कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाना ।

## पाठ का सार-

प्रस्तुत पाठ में रहीम के ग्यारह दोहे दिए गए हैं, जो हमारे जीवन की किसी न किसी परिस्थिति से जुड़े हुए हैं। **पहले दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि प्रेम का बंधन किसी धागे के समान होता है, जिसे कभी भी झटके से नहीं तोड़ना चाहिए क्योंकि जब कोई धागा एक बार टूट जाता है तो फिर उसे जोड़ा नहीं जा सकता। उसी प्रकार किसी से रिश्ता जब एक बार टूट जाता है तो फिर उस रिश्ते को दोबारा पहले की तरह जोड़ा नहीं जा सकता।

**दूसरे दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि अपने मन की पीड़ा या दर्द को दूसरों से छुपा कर ही रखना चाहिए। क्योंकि जब आपका दर्द किसी अन्य व्यक्ति को पता चलता है तो वे लोग उसका मजाक ही उड़ाते हैं। **तीसरे दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि एक बार में केवल एक कार्य ही करना चाहिए। एक ही साथ आप कई लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करेंगे तो कुछ भी हाथ नहीं आता। यह वैसे ही है जैसे किसी पौधे में फूल और फल तभी आते हैं जब उस पौधे को जड़ में उसे तृप्त कर देने जितना पानी डाला जाता है। **चौथे दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि जब राम को बनवास मिला था तो वे चित्रकूट में रहने गये थे। ऐसी जगह पर वही रहने जाता है जिस पर कोई भारी विपत्ति आती है। **पाँचवे दोहे** में रहीम जी का कहना है कि उनके दोहों में भले ही कम अक्षर या शब्द हैं, परंतु उनके अर्थ बड़े ही गहरे और बहुत कुछ कह देने में समर्थ हैं।

**छठे दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि कीचड़ में पाया जाने वाला वह थोड़ा सा पानी ही धन्य है क्योंकि उस पानी से न जाने कितने छोटे-छोटे जीवों की प्यास बुझती है। लेकिन वह सागर का जल बहुत अधिक मात्रा में होते हुए भी व्यर्थ होता है क्योंकि उस जल से कोई भी जीव अपनी प्यास नहीं बुझा पता। **सातवें दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि यदि कोई आपको कुछ दे रहा है तो आपका भी फ़र्ज़ बनता है कि आप उसे बदले में कुछ न कुछ दें। **आठवें दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि कोई बात जब एक बार बिगाड़ जाती है तो लाख कोशिश करने के बावजूद उसे ठीक नहीं किया जा सकता। यह वैसे ही है जैसे जब दूध एक बार फट जाये तो फिर उसको मथने से मक्खन नहीं निकलता। **नवें दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि बड़ी चीज़ के होने पर किसी छोटी चीज़ को कम नहीं समझना चाहिए। क्योंकि जहाँ छोटी चीज़ की जरूरत होती है वहाँ पर बड़ी चीज़ बेकार हो जाती है। जैसे जहाँ सुई की जरूरत होती है वहाँ तलवार का कोई काम नहीं होता। **दसवें दोहे** में रहीम जी कहते हैं कि आपका धन ही आपको आपकी मुसीबतों से निकाल सकता है क्योंकि मुसीबत में कोई किसी का साथ नहीं देता। **अंतिम दोहे** में रहीम ने पानी को तीन अर्थों में प्रयोग किया है। रहीम का कहना है कि जिस तरह आटे का अस्तित्व पानी के बिना नम्र नहीं हो सकता और मोती का मूल्य उसकी आभा के बिना नहीं हो सकता है, उसी तरह मनुष्य को भी अपने व्यवहार में हमेशा पानी (विनम्रता) रखना चाहिए जिसके बिना उसका जीवन जीना व्यर्थ हो जाता है।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**